महावीर जयन्ती के पावन अवसर पर
आचार्य श्री महाश्रमण द्वारा प्रदत संदेश
अर्हम्

भारत में अनेक महापुरुषों ने जन्म लिया। उन्होने स्वयं तप तपा और जनता का पथदर्शन किया। भगवान महावीर एक विशिष्ट महापुरुष थे। उन्होंने साधना के द्वारा पूर्ण वीतरागता को प्राप्त किया और जनता का मार्गदर्शन भी किया। उनका जन्म दिवस चैत्र शुक्ला त्रयोदशी (महावीर जयन्ती) हम प्रतिवर्ष मनाते हैं। जैन समाज में विशेष उल्लास इस अवसर पर देखा जाता है। महावीर जयन्ती के इस पुनीत अवसर पर हम सब के प्रति आध्यात्मिक मंगलभावना प्रेषित करते हैं और अनुरोध करते हैं कि हम केवल एक दिन के कार्यक्रम तक ही सीमित न रहें। भगवान महावीर के आहिंसा,संयम और समता जैसे पवित्र संदेशों को आत्मसात करने का प्रयत्न भी करें। महावीर जयन्ती के दिवस से हम सबको इन पवित्र संदेशों की प्रेरणा प्राप्त हो। शुभाशंसा।

खांखला

6 **अप्रेल** 2011

आचार्य महाश्रमण